तूफान में अनुग्रह के पाँच साधन

पास्टर हून किम, 27 सितंबर 2026, योना 1:4-17

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से कोरियाई से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-09-27-new-jonah-1-five-means-of-grace-in-the/

अध्ययन मार्गदर्शिका

छोटे समूह की अध्ययन मार्गदर्शिका: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

मुख्य सत्य

हमारे जीवन के भयंकर तूफ़ानों में, परमेश्वर लगातार हमारा पीछा इसलिए नहीं करते कि हमें नष्ट कर दें, बल्कि इसलिए कि वे हमारे आत्मनिर्भरता के घमंड को ख़ाली कर दें और विभिन्न संप्रभु अनुग्रह के साधनों के द्वारा हमें पश्चाताप की ओर खींच लाएँ।

मुख्य पद

> “तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आँधी चलाई, और समुद्र में बड़ी आँधी उठी, यहाँ तक कि जहाज टूटने पर था।”
>
> योना 1:4 (IRV)

पृष्ठभूमि की बातें

1. **योना की पुस्तक की साहित्यिक रचना:** यह बच्चों की कोई साधारण नैतिक कहानी नहीं है, बल्कि योना की पुस्तक इब्रानी भविष्यद्वाणी का एक अद्भुत व्यंग्यात्मक नमूना है। योना ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी के इस्राएल के हठ, आत्मिक अंधेपन और राष्ट्रीयता के घमंड को दर्शाता है, जबकि मूर्तिपूजक मल्लाह यहोवा के सम्मुख नम्रता, नैतिक संवेदनशीलता और भय को प्रकट करते हैं।
2. **मुख्य क्रिया *Hitil* (फेंकना/उछालना):** इब्रानी क्रिया *hitil* योना 1 में चार बार आती है: यहोवा ने तूफ़ान को समुद्र पर फेंका (पद 4), मल्लाहों ने माल समुद्र में फेंका (पद 5), योना ने उनसे कहा कि उसे समुद्र में फेंक दें (पद 12), और नाविकों ने योना को समुद्र में फेंक दिया (पद 15)। यह दोहराव इस बात को उजागर करता है कि परमेश्वर ही सर्वोच्च नियंत्रक हैं जो मनुष्य के घमंड को ख़ाली करने के लिए परिस्थितियों का उपयोग करते हैं।
3. **जहाज़ के कप्तान की आज्ञा का आईना:** जब मूर्तिपूजक कप्तान सोए हुए योना से कहता है, "उठ, अपने देवता की दोहाई दे!" (पद 6), तो वह ठीक उन्हीं दो इब्रानी क्रियाओं (*qum*, *qara*) का उपयोग करता है जो परमेश्वर ने

पद 2 में योना को आज्ञा देते हुए कही थीं ("उठ... और पुकार")। जब हम परमेश्वर की सीधी आवाज़ को अनसुना कर देते हैं, तो वे अक्सर सांसारिक और अनपेक्षित माध्यमों से अपने वचन को हमारे सामने दोहराते हैं।

4. **पहचान और *Religare*:** धर्म (*religion*) का लातिनी मूल शब्द *religare* है, जिसका अर्थ है "आपस में बाँधना" या "संबंध जोड़ना।" सच्ची पहचान सांसारिक उपलब्धियों, नौकरी के पदों या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से प्राप्त नहीं हो सकती, बल्कि केवल सृष्टिकर्ता के साथ एक जीवित और नम्र संबंध के माध्यम से ही मिल सकती है।

चर्चा के लिए प्रश्न

1. **वचन को समझना:** योना 1:4-6 पढ़ें। आपके विचार में योना जहाज़ के निचले भाग में गहरी नींद में कैसे सो सका, जबकि अनुभवी मूर्तिपूजक मल्लाह अपने प्राणों के डर से काँप रहे थे? यह आत्मिक सच्चाई से मुँह मोड़ने के स्वभाव के बारे में क्या दर्शाता है?
2. **चेतावनियों की जाँच करना:** पद 6 में, परमेश्वर योना तक अपना संदेश पहुँचाने के लिए एक अविश्वासी जहाज़ के कप्तान का उपयोग करते हैं। क्या आप अपने जीवन के किसी ऐसे समय को याद कर सकते हैं जब परमेश्वर ने किसी अनपेक्षित व्यक्ति का उपयोग किया हो, जैसे कोई अविश्वासी, साथ काम करने वाला या परिवार का कोई सदस्य, जिसने आपकी किसी कमी को दिखाया हो या आपके जीवन में सच्चाई बोली हो? आपकी क्या प्रतिक्रिया थी?
3. **बाल-सुलभ बनाम बचकाना विश्वास:** पास्टर किम ने "बचकाने विश्वास" (ज़िद करना और अपने अनुसार समाधान माँगना) और "बाल-सुलभ विश्वास" (तुरंत उत्तर की माँग किए बिना परमेश्वर के भले स्वभाव पर भरोसा रखना) के बीच अंतर बताया। आपकी वर्तमान प्रार्थनाओं और संघर्षों में, इनमें से कौन सा दृष्टिकोण आपके रवैये को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?
4. **अंगीकार बनाम वास्तविकता:** पद 8-9 में, योना धर्मसिद्धांत की दृष्टि से बिल्कुल सही उत्तर देता है: "मैं स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा का भय मानता हूँ, जिसने समुद्र और सूखी भूमि दोनों को बनाया।" फिर भी उसके कदम उल्टी दिशा में भाग रहे थे। आपके जीवन में ऐसा कौन सा क्षेत्र है जहाँ आपके धर्मसैद्धांतिक ज्ञान और आपकी दैनिक आज्ञाकारिता के बीच अंतर है?
5. **व्यक्तिगत प्रयोग:** योना 1:17 और 1 कुरिन्थियों 10:13 पढ़ें। जब योना गहरे पानी में डूब रहा था, तब परमेश्वर ने उसे सँभालने के लिए एक बड़ी मछली ठहराई। आपको अपने जीवन के किस क्षेत्र में अपने स्वयं के समाधानों पर निर्भर रहना छोड़कर यह भरोसा करने की आवश्यकता है कि परमेश्वर ने आपके लिए अनुग्रह और छुटकारे का मार्ग पहले ही तैयार कर रखा है?

फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp)

जब जीवन के तूफ़ान आते हैं, तो परमेश्वर आपको छोड़ नहीं देते; वे आपके घमंड को ख़ाली करने और आपको अपने अनुग्रह की ओर वापस खींचने के लिए लगातार आपका पीछा करते हैं। अपने मनचाहे तरीक़े से बचने के लिए बचकानी ज़िद न करें, बल्कि उनकी संप्रभु दया पर भरोसा रखें। यहाँ तक कि गहरे से गहरे जल में भी, परमेश्वर आपके छुटकारे की तैयारी करते हैं।

“तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आँधी चलाई, और समुद्र में बड़ी आँधी उठी, यहाँ तक कि जहाज टूटने पर था।”, योना 1:4 (IRV)

शिक्षा की रूपरेखा

सिखाने की रूपरेखा: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:4-17
- **मुख्य विचार:** जीवन के तूफ़ानों में, परमेश्वर संप्रभुता से हमारा पीछा इसलिए नहीं करते कि हमें नष्ट करें, बल्कि इसलिए कि वे हमारे आत्मनिर्भरता के घमंड को ख़ाली कर दें और अनुग्रह के विभिन्न साधनों के द्वारा हमें वापस अपने पास खींच लाएँ।

भाग 1: वह तूफ़ान जो हमें ख़ाली करता है

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:4-5
- **अंतर्दृष्टि:** इब्रानी क्रिया *hitil* ("फेंकना" या "उछालना") बार-बार आती है और यह दिखाती है कि परमेश्वर ने तूफ़ान को समुद्र पर फेंका ताकि मल्लाह अपने माल को समुद्र में फेंक दें और योना को भी समुद्र में फेंक दिया जाए। परमेश्वर हमारे झूठे सहारों को हिला देते हैं ताकि हमारे हाथों को ख़ाली कर सकें।
- **दृष्टांत:** तर्शीश जाने वाला वह व्यापारिक जहाज़ कीमती माल से लदे एक अंतरराष्ट्रीय मालवाहक विमान की तरह था। जीवित बचने के लिए सब कुछ पानी में फेंकना पड़ा।
- **बाल-सुलभ बनाम बचकाना विश्वास:** बचकाना विश्वास अपने स्वार्थ में तुरंत समाधान पाने की ज़िद करता है और नख़रे दिखाता है, जबकि बाल-सुलभ विश्वास परमेश्वर के स्वभाव पर सुरक्षित होकर विश्राम करता है (इब्रानियों 5)।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 1 (शीर्षक कार्ड), दृश्य 2 (शब्द अध्ययन: *Hitil*), दृश्य 3 (बाल-सुलभ बनाम बचकाना विश्वास)।

भाग 2: अनपेक्षित आवाज़ों के द्वारा परमेश्वर का बोलना

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:6 (तुलना करें योना 1:2; योना 3:9)
- **अंतर्दृष्टि:** जब योना ने परमेश्वर की सीधी आज्ञा की अनदेखी की, तब परमेश्वर ने एक मूर्तिपूजक कप्तान के द्वारा अपने वही शब्द दोहराए: "उठ, पुकार!" (*qum, qara*)। उस अविश्वासी ने उसी दया की माँग की जिसका प्रचार करने से योना ने इनकार कर दिया था।
- **दृष्टांत:** नातान ने चुराई गई भेड़ की कहानी के द्वारा दाऊद का सामना किया (2 शमूएल 12), जिससे दाऊद का आत्म-बचाव टूट गया और उसका छिपा हुआ पाप उजागर हो गया।

- **प्रतिक्रिया:** जब अनपेक्षित संदेशवाहकों द्वारा हमें चेताया जाए, तो हमें अपने मन को कठोर नहीं करना चाहिए, बल्कि ख़ुद को दीन करके पश्चाताप करना चाहिए (प्रेरितों के काम 2:37 बनाम प्रेरितों के काम 7:54-60)।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 4 (अनपेक्षित संदेशवाहकों के द्वारा परमेश्वर की आवाज़)।

भाग 3: ईश्वरीय प्रबंध जो संयोग को निश्चितता में बदल देता है

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:7
- **अंतर्दृष्टि:** जिसे मूर्तिपूजक भाग्य या संयोग मानते थे, वह वास्तव में परमेश्वर की संप्रभु इच्छा की निश्चित योजना थी। परमेश्वर ने अंधविश्वासी चिट्ठी डालने की प्रक्रिया को इस प्रकार निर्देशित किया कि वह सीधे योना की ओर इशारा करे।
- **दृष्टांत:** फ्रांसिस थॉम्पसन की कविता *द हाउंड ऑफ़ हेवन* (स्वर्ग का वह प्रेमी जो कभी पीछा नहीं छोड़ता): परमेश्वर भागती हुई आत्मा का लगातार पीछा करते हैं और तब तक हर दरवाज़ा बंद करते रहते हैं जब तक कि हम समर्पण न कर दें।
- **व्यावहारिक प्रयोग:** एक विश्वासी जो ज्योतिषी के पास गया था, उससे ज्योतिषी ने कहा, "जाओ और यीशु पर ठीक से विश्वास करो!" सच्चा विश्वास यह पहचानता है कि बार-बार आने वाले संकट केवल संयोग नहीं हैं, बल्कि परमेश्वर द्वारा ठहराए गए अवसर हैं।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 5 (संयोग से ईश्वरीय निश्चितता की ओर)।

भाग 4: वह सवाल जो हमारी पहचान को प्रकट करता है

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:8-12; भजन संहिता 119:71
- **अंतर्दृष्टि:** मल्लाहों के तीखे सवालों ("तू कौन है?") ने योना के धर्मसैद्धांतिक अंगीकार ("मैं स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा का भय मानता हूँ, जिसने समुद्र को बनाया") और उसके विद्रोही, भागते हुए जीवन के बीच की गहरी खाई को उजागर कर दिया।
- **धर्म पर अंतर्दृष्टि:** धर्म (*religion*) शब्द लातिनी भाषा के *religare* ("बाँधना" या "संबंध जोड़ना") से आया है। हम अपनी पहचान अपने नाम, काम या राष्ट्रीयता से नहीं बना सकते, बल्कि केवल सृष्टिकर्ता के साथ अपने व्यक्तिगत संबंध से ही परिभाषित हो सकते हैं।
- **व्यावहारिक प्रयोग:** क्लेश हमारी व्यस्त, स्वाभाविक दिनचर्या को तोड़ देता है और हमें इस बात का सामना करने पर विवश करता है कि हम परमेश्वर के सामने वास्तव में कौन हैं।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 6 (तू कौन है?)।

भाग 5: ठहराई गई मछली और क्रूस की छाया

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:13-17; 1 कुरिन्थियों 10:13; मत्ती 12:39
- **अंतर्दृष्टि:** योना ने पश्चाताप करने के बजाय डूब कर मरना बेहतर समझा, परंतु परमेश्वर ने उसे जीवित रखने के लिए एक बड़ी मछली ठहराई। परमेश्वर हर परीक्षा में निकलने का मार्ग भी तैयार करते हैं।

- **पास्टर किम की गवाही:** अपने जीवन के चालीसवें दशक के अंत में वे जर्मनी में बिना किसी आमदनी और भारी कर्ज़ के बोझ तले तीन महीने के लिए फँस गए थे। लेकिन जब वे वापस लौटे, तो परमेश्वर ने महीनों के इकट्ठे किए गए दशमांश के एक अप्रत्याशित उपहार के द्वारा उनका सारा कर्ज़ एक ही दिन में चुका दिया और उनकी चरवाहाई की बुलाहट की पुष्टि की।
- **चरमोत्कर्ष:** योना का चिन्ह यीशु मसीह में पूरा होता है, जो विद्रोही मानवजाति को बचाने के लिए मरे और तीसरे दिन जी उठे।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 7 (क्रूस: अनुग्रह का सर्वोच्च साधन)।

प्रतिक्रिया और प्रार्थना

- परमेश्वर के संप्रभु तूफ़ान से भागना बंद करें।
- अपने घमंड, आत्मनिर्भरता और धार्मिक मुखौटों को त्याग दें जिन्हें आप अब तक थामे हुए थे।
- यह विश्वास रखें कि जिस परमेश्वर ने तूफ़ान भेजा है, उसने आपको बचाने और पुनर्स्थापित करने के लिए पहले ही क्रूस का प्रबंध कर रखा है।

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.